University in News on 02 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : पीजी पाठ्यक्रम का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी कोर्सों का परीक्षा परिणाम जारी किया गया है। एमएससी भौतिक, गणित, जीव रसायन, व पीजी डिप्लोमा का परिणाम विवि की वेबसाइट पर अपडेट है।

आईबीपीएस परीक्षा में नीलेश को सफलता : लविवि के एलएलबी के छात्र रहे नीलेश सिंह को आईबीपीएस परीक्षा में सफलता मिली है। स्पेशलिस्ट ऑफिसर की परीक्षा पास करने पर विधि संकाय के प्रो. बंशीधर सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का होगा पुनरुद्धार : लविवि से संबंध कला एवं महाविद्यालय, ललित कला संकाय का पुनरुद्धार होगा। प्रदेश सरकार ने इसके लिए करीब 511 लाख का बजट जारी किया है। प्रथम किस्त में करीब 50 फीसदी बजट की स्वीकृति की गई है। इससे भवन की मरम्मत, बेहतर क्लास रूप के काम होंगे। (संवाद)

वेबिनार को संबोधित करेंगी प्रो. किरण

लखनऊ। लविवि के शिक्षा शास्त्र विभाग की प्रो. किरण लता डंगवाल का चयन यूनेस्को के प्रतिष्ठित ऑनलाइन व्याख्यान के लिए हुआ है। वह अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम ऑनलाइन ओपन एजुकेशन फॉर अ बेटर वर्ल्ड को संबोधित करेंगी। (संवाद)

अहिल्या बाई होल्कर पर नाटक

लखनऊ। लविवि के एपी सेन सभागार में मंगलवार को नवरात्र पर सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रम हुआ। अर्ध नारीश्वर पर नृत्य व अहिल्या बाई होल्कर पर नाटक हुआ। शास्त्रीय और समकालीन शैलियों पर कलाकारों ने प्रस्तुति दी। भारतीय परंपरा में महिलाओं के दार्शनिक योगदान पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे। (संवाद)

बदलेगी आर्ट कॉलेज की तस्वीर

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के सौ साल पुराने आर्ट कॉलेज की अब तस्वीर बदलने जा रही है। कॉलेज में हॉस्टल से लेकर क्लासरूम तक की हालत जर्जर हो चुकी है। इनके पुनरनिर्माण के लिए अब शासन की ओर से पांच करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसमें 2.55 करोड़ रुपये निर्माण के लिए जारी किए जा चुके है। इससे अब एलयू कैंपस के अन्य विभागों की तरह आर्ट कॉलेज का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बेहतर हो सकेगा।

प्रदेश सरकार में विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी की ओर से वजट का आदेश जारी कर दिया गया है। कुल 5.11 करोड़ रुपये शासन की ओर से स्वीकृत हुए है। उत्तर प्रदेश कॉर्पोरेशन लिमिटेड को निर्माण कार्य के लिए सरकार की ओर से नामित किया गया है। आर्ट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रतन कुमार ने वताया कि इस वजट की मदद से क्लासरूम, हॉस्टल का निर्माण कराया जाएगा। वर्तमान में 12 क्लासरूम हैं, लेकिन इनकी हालत काफी खराव है।

NBT PAGE 5

प्रो. पवन अग्रवाल बने हिंदी विभाग के हेड

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रो. पवन अग्रवाल को विभागाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। प्रो. रश्मी कुमार का कार्यकाल पूरा होने के बाद वरिष्ठता में सबसे ऊपर होने पर उन्हें हेडशिप सौंपी गई है। सोमवार को उन्होंने पूरे रीति रिवाजों के साथ हेडशिप का चार्ज संभाला। पंडितों की उपस्थिति में स्वस्ति वाचन और मंत्रोच्चारण के बीच प्रो. अग्रवाल ने हिंदी विभाग की कमान संभाली। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। इस मौके पर विवि के कई सीनियर प्रफेसर मौजूद रहे।

एडमिशन से परीक्षा तक सब समर्थ पोर्टल से

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** लखनऊ विवि में इस बार परीक्षा से लेकर दाखिले तक सारी प्रकिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगी। विवि प्रशासन ने इस पर मुहर लगा दी गई है। एलयू ने निर्णय लिया है कि इस बार उसी पोर्टल के माध्यम से दाखिले लिए जाएंगे। विवि के एडमिशन फैकल्टी इंचार्ज पंकज माथुर ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से पोर्टल तैयार कराया जा रहा है। उसी पोर्टल के माध्यम से दाखिले लिए जाएंगे।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू के छात्र नीलेश बने विधि अधिकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय के एलएलबी ऑनर्स पाठ्यक्रम के छात्र रहे नीलेश सिंह ने विधि अधिकारी आईबीपीएस स्पेशलिस्ट अफसर की परीक्षा पास की है। संकायाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि नीलेश शैक्षिक सत्र 2016-21 एलएलबी ऑनर्स पाठ्यक्रम के विद्यार्थी रहे हैं। विधि संकाय से नित्य ऐसे चयन हो रहे हैं जो छात्रों की उनके लक्ष्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और संकाय की उत्कृष्टता सिद्ध करता है।

नृत्य और अहिल्याबाई नाटक का मंचन किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों ने अर्धनारीश्वर और शास्त्रीय व समकालीन शैलियों में मां दुर्गा को समर्पित नृत्य कर नव संवत्सर, चैत्र नवरात्र और राम नवमी समारोह को अपनी शानदार प्रस्तुति से जीवंत कर दिया। समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने किया।

PIONEER PAGE 3

पांच करोड़ से अधिक की धनराशि से कला व शिल्प महाविद्यालय का होगा पुनरुद्धार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के घटक के रूप में शामिल कला एवं शिल्प महाविद्यालय का पुनरूद्धार 5 करोड़ से अधिक की धनराशि से होगा। इसके लिए सरकार की तरफ से 511.67 लाख से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

कालेज के इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 1892 में विंगफील्ड मंजिल बनारसी बाग में इस कॉलेज की शुरूआत हुई। विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए वर्ष 1911 से कला एवं शिल्प महाविद्यालय टैगोर मार्ग पर स्थित वर्तमान भवन में चल रहा है। किसी समय में महाविद्यालय का परिसर गोमती तटबन्ध से लेकर आर्किटेक्चर कॉलेज को समाहित करता हुआ एक विशाल परिसर था। कला एवं शिल्प महाविद्यालय 1974 से लखनऊ विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। वर्ष 1974 में ही इसका एक विभाग फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर के रूप में इससे अलग हो गया तथा वर्तमान में एकेटीयू से सम्बद्ध है।

वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री, उप्र सरकार मायावती ने महाविद्यालय पुनरूद्धार के लिए छह करोड़ का बजट स्वीकृत किया था, परन्तु किन्हीं कारणों से उसका पूर्ण उपयोग नहीं हो सका। वर्ष 2021 में भी महाविद्यालय प्रशासन द्वारा उप्र शासन का ध्यान महाविद्यालय की ओर आकृष्ट किया गया था। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत चार डिग्री कोर्सेज फाइन आर्ट, एप्लाइड आर्ट, टेक्सटाइल डिजाइन तथा मूर्तिकला विभाग संचालित किये जाते हैं। साथ ही विभिन्न विषयों में एम.एफ.ए. एवं पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की जाती है।

कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रतन कुमार ने बताया कि वैश्विक कला जगत में महाविद्यालय की एक विशिष्ट पहचान है। वर्तमान में भारत के विभिन्न भागों से छात्र यहाँ कला की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आते हैं। वर्तमान में श्रीलंका, बांग्लादेश तथा ईराक के छात्र यहाँ अध्ययन कर रहे हैं।

i-NEXT PAGE 4

एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट ने यूजी लेवल पर एड किए 5 नए पेपर्स

एंथ्रोपोलॉजी के स्टूडेंट्स अब पढ़ेंगे एंथ्रोपोथेरेपी

GOOD NEWS

LUCKNOW (1 APRIL): एंथ्रोपोलॉजी में स्टूडेंट्स के बढ़ते इंटरेस्ट और इसमें करियर अपॉर्च्युनिटीज को देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी ने ग्रेजुएशन लेवल पर 5 नए पेपर्स एड करने का फैसला लिया है. जिससे स्टूडेंट्स न सिर्फ ट्रेडिशनल बल्कि मॉडर्न एंथ्रोपोलॉजी के बारे में भी जानेंगे. इन पेपर्स में कुछ ऐसे टॉपिक्स भी एड किए गए हैं, जो स्टूडेंट्स को कॉर्पोरेट सेक्टर में भी हेल्प करेंगे.

ये हैं न्यू पेपर्स

1. **एंथ्रोपोलॉजिकल लैंगेसी एंड इंडियन नॉलेज सिस्टम** — इस पेपर के तहत स्टूडेंट्स को भारतीय ज्ञान परंपरा और एंथ्रोपोलॉजी के इतिहास एवं परंपरा के बारे में पढ़ाया जाएगा. जिससे स्टूडेंट्स भारतीय परंपरा और इतिहास के बारे में जानेंगे.
2. **इंडियन एंथ्रोपोलॉजी** — इंडियन एंथ्रोपोलॉजी में स्टूडेंट्स को कोर वैल्यूज और ट्राइबल सोसायटी के बारे में पढ़ाया जाएगा. जिससे उन्हें देश की जनजातियों, वहां पर होने वाली समस्याओं के बारे में पता चलेगा.
3. **इकोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी** — इकोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी में स्टूडेंट्स ह्यूमन इंकोसिस्टम के बारे में पढ़ेंगे और जानेंगे कि ह्यूमन इकोसिस्टम किस तरह से काम करता है, इसका इन्वायरमेंट पर किस तरह से असर पड़ता है.
4. **म्यूजियोलॉजी एंड कल्चरल रिसर्च** — म्यूजियोलॉजी के तहत स्टूडेंट्स कल्चरल हेरीटेज मार्केटिंग, कल्चरल हाईलाइट्स, कल्चर मैनेजमेंट और रिसोर्सेज के बारे में पढ़ेंगे. जिससे उन्हें भारतीय विरासत और उसके संरक्षण के बारे में जानकारी मिलेगी.
5. **मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी** — मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी के तहत स्टूडेंट्स को एथनो मेडिसिंस के बारे में पढ़ाया जाएगा कि किस तरह से ट्राइबल एरियाज के लोग अपनी बनाई हुई मेडिसिंस और बिलीव के बेस पर इलाज करते थे. इसके साथ ही मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी के अंतर्गत ही स्टूडेंट्स को एंथ्रोपोथेरेपी के बारे में भी पढ़ाया जाएगा, जो आगे चलकर एंथ्रोपोथेरेपिस्ट तैयार करेगा. जिससे इम्प्लॉयमेंट स्टूडेंट्स को इम्प्लायमेंट मिलने में आसानी होगी.

1 साल में मास्टर्स

साल 2020 में आई न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत ग्रेजुएशन 4 साल का और मास्टर्स 1 साल का हो गया था. जिसका इंप्लीमेंटेशन कॉलेजेस की तरफ से लगातार किया जा रहा है. इसी को देखते हुए एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट में भी 1 साल के मास्टर्स को परमिशन मिल गई है. अब 4 साल की ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स 1 साल में मास्टर्स करके पीएचडी के लिए अप्लाई कर सकते हैं.

एनईपी के तहत अब 1 साल में कर पाएंगे एंथ्रोपोलॉजी में मास्टर्स

रिसर्च में बढ़े क्रेडिट्स नंबर

एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. उदय प्रताप सिंह ने बताया कि इस बार पीजी में रिसर्च क्रेडिट्स को बढ़ाकर 4 से 8 कर दिया गया है. जिससे स्टूडेंट्स को अब रिसर्च में 200 नंबर मिलेगे. जिसमें थ्योरी के साथ ही प्रैक्टिकल और फील्ड वर्क भी शामिल है. फील्ड वर्क के तहत स्टूडेंट्स को ट्राइबल एरियाज की लाइफस्टाइल, उनकी प्रॉब्लम्स, उनके सॉल्यूशंस को लेकर थीसिस लिखनी होगी.

> **यूजी और पीजी लेवल पर कोर्स में नए पेपर्स एड करने का मेन रीजन स्टूडेंट्स को मॉडर्न और ट्रेडिशनल नॉलेज अवेलेबल करवाना है. हमने रिसर्च में फील्ड विजिट को भी शामिल किया है, जिससे छात्र जमीनी हकीकत जान पाएंगे. प्रो. उदय प्रताप सिंह,** हेड, डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, एलयू

एलयू के फाइन आर्ट्स कॉलेज की बदलेगी तस्वीर!

LUCKNOW(1 APRIL): लखनऊ यूनिवर्सिटी के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के भवनों के रख-रखाव, रंग-रोगन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से 511.67 लाख रुपए की सहायता को स्वीकृति दी गई है. जिसकी पहली किस्त के रूप में कॉलेज को 255.83 लाख रुपए परमिट कर दिए गए हैं. फाइन आर्ट्स कॉलेज में वर्तमान में अप्लाइड आर्ट, फाइन आर्ट, टेक्सटाइल डिजाइन तथा मूर्तिकला डिपार्टमेंट संचालित हैं. जिनमें बीएफए और पीएचडी जैसी डिग्रियां प्रदान की जाती हैं. फाइन आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल और फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट के डीन प्रो. रतन कुमार ने बताया कि वैश्विक कला जगत में फाइन आर्ट्स कॉलेज की एक अलग पहचान है. देश भर अलग-अलग राज्यों से स्टूडेंट्स यहां से पढ़ने आते हैं. इसके साथ में ही हमारे यहां पर बांग्लादेश, ईराक जैसे देशों से इंटरनेशनल स्टूडेंट्स भी पढ़ने आते हैं, जिसके चलते एक बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर वाले कॉलेज की जरूरत है.

एलयू में बड़ी धूमधाम से हुआ नववर्ष का आगाज

LUCKNOW (1 APRIL): लखनऊ यूनिवर्सिटी के एपी सेन सभागार में मंगलवार को चैत्र नवरात्रि एवं नव संवत्सर के उपलक्ष्य में एक सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया. कार्यक्रम में अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर किया गया नाटक सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा, जिसे लोगों की खूब सराहना मिली. इसके साथ ही कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ.

मोनो एक्टिंग के लिए सम्मान

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स की तरफ से कई तरह के प्रोग्राम्स प्रस्तुत किए गए, जिसमें सिंगिंग, डांस, नाटक भी शामिल रहा. इस दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. वहीं, मोनो एक्टिंग के लिए छात्र शशिकांत को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का समापन प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ करते हुए इस तरह के शुभ अवसरों के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी दी.

JAGRAN CITY PAGE III

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का होगा पुनरुद्धार

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पुनरुद्धार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 511.67 लाख की मंजूरी दी है। पहले चरण में 255.83 लाख की धनराशि जारी की गई है। इस राशि का उपयोग भवनों के रख-रखाव और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। महाविद्यालय की स्थापना 1892 में हुई थी और 1974 से यह लखनऊ विश्वविद्यालय का हिस्सा है। पूर्व में भी सरकार से पुनरुद्धार की मांग की जाती रही थी। प्राचार्य डा. रतन कुमार के प्रयासों और प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा महेंद्र प्रसाद अग्रवाल के सहयोग से यह मंजूरी संभव हुई। इससे शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

छात्र अब पढ़ेंगे स्वास्थ्य, ऊर्जा व आधारभूत ढांचे का अर्थशास्त्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में लागू होंगे तीन नए प्रश्नपत्र
- आधुनिक और सामयिक तथ्यों को अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में किया गया है शामिल

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने भी अपने पाठ्यक्रमों में सामयिक और बदलते वक्त की जरूरतों के हिसाब से बदलाव किया है। परंपरागत अर्थशास्त्र से आगे बढ़कर विभाग ने तीन नए बिंदुओं को चिंहित किया है जिमसें छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाया जाएगा। इन तीन विषयों में नए प्रश्नपत्र भी आरंभ होंगे जिनमें प्रमुख रुप से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, उर्जा अर्थशास्त्र और आधारभूत ढांचागत विकास संबंधित अर्थशास्त्र की जानकारी छात्रों को दी जाएगी। इन बिंदुओं को बाकायदा पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

नए बिंदुओं को परास्नातक स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिसमें दो वर्ष और नई शिक्षा नीति के तहत आने वाले एक वर्षीय परास्नातक में भी इसे लागू किया जाएगा। नई आवश्यकताओं के अनुसार छात्रों का कौशल विकास हो और उनका ज्ञान भी बढे इसका प्रयास किया जा रहा है। नए प्रश्नपत्र आधुनिक विषयों के साथ छात्र-छात्राओं के हित में हैं। जिसका लाभ उनके कॅरियर में मिलेगा।

प्रो. विनोद सिंह, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

अब तक परंपरागत अर्थशास्त्र को पढ़ाया जाता रहा है। जैसे उर्जा क्षेत्र में भांखड़ा नांगल बांध से लेकर थर्मल पॉवर आदि पर छात्रों को जानकारी दी जाती थी। लेकिन वक्त के साथ सौर उर्जा, पवन उर्जा और परमाणु उर्जा आ चुके हैं जिनको लेकर छात्रों को अपग्रेड किया जाएगा। साल 2009 में मनमोहन सरकार के साथ परमाणु उर्जा को लेकर अमेरिका से जो समझौता हुआ था उसे अब वह कार्यरूप देने जा रहा है।

इसी प्रकार स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई योजनाएं चलाई जा रही है, इसी तरह देशभर में आधारभूत संरचना के विकास पर तेजी से कार्य हो रहा है। जिसे छात्रों को पढ़ाया जाएगा और इनके आर्थिक प्रभावों से अवगत कराया जाएगा।

ऊर्जा अर्थशास्त्र

इसके अंतर्गत नवीनीकरण और गैरनवीनीकरण उर्जा, थर्मल उर्जा से लेकर सौर उर्जा, परमाणु उर्जा जैसे विषय और उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा। उर्जा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए समझौतों और आवश्यक्ताओं से भी छात्रों को रूबरू कराया जाएगा।

स्वास्थ्य अर्थशास्त्र

स्वास्थ्य से जुड़ा अर्थशास्त्र होगा जिसमें आयुष्मान योजना, स्वास्थ्य से जुड़ी लोक कल्याण कारी योजनाएं उनका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में चलने वाली योजनाएं भी छात्रों को पढ़ाई जाएंगी।

आधारभूत ढांचा अर्थशास्त्र

देशभर में आधारभूत ढांचा को विकसित करने के लिए तेजी से कार्य हो रहे हैं। पहले यह कार्य सरकारी संस्थाएं जैसे सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग आदि के जिम्मे होता था। लेकिन अब तरह-तरह की कंपनियां इस कार्य को करने लगी हैं। आधारभूत ढांचा को लेकर छात्रों को भवन निर्माण से लेकर रोड, अस्पताल, फ्लाईओवर आदि के अर्थशास्त्र, केंद्रीय और राज्य बजट आदि बातें शामिल की गई हैं।

विधानसभा में गूंजी लविवि के शोधार्थी की आवाज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थी गौरव ओझा ने विधानसभा में राष्ट्रीय युवा संसद के अंतर्गत अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने ओजस्वी भाषण में भारतीय संविधान के 75 वर्षों की यात्रा, उसके अधिकार, कर्तव्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने संबोधन में ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे भारत ने अपनी स्वतंत्रता के पश्चात विश्वस्तरीय संविधान का निर्माण किया, जिसकी बुनियाद बलिदानों और संघर्षों से रखी गई थी। उन्होंने भारतीय संविधान को "सबसे पवित्र ग्रंथ" बताते हुए उसकी रक्षा और सम्मान की महत्ता पर जोर दिया। भाषण के दौरान उन्होंने जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, तीन तलाक और लोकतांत्रिक दायित्वों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे, जिसे सभा में मौजूद गणमान्य अतिथियों ने सराहा।

डॉ. किरण लता डंगवाल कार्यक्रम के लिए चयनित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षा शास्त्र विभाग की डॉ. किरण लता डंगवाल को प्रतिष्ठित यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन ओपन एजुकेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड कार्यक्रम के लिए चुना गया है। यह वैश्विक पहल ओपन एजुकेशन और अभिनव शिक्षण समाधानों में उत्कृष्ट योगदान देती है। डॉ. डंगवाल के प्रस्ताव को इसके अभिनव दृष्टिकोण और संभावित प्रभाव के लिए चयन समिति द्वारा सराहा गया।

प्रो. पवन अग्रवाल ने संभाली हिंदी विभाग की बागडोर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष के तौर पर डॉ. पवन अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विश्वविद्यालय में प्रो. रश्मि कुमार के कार्यकाल पूर्ण होने पर वरिष्ठता क्रम में प्रो. पवन अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. अग्रवाल का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। इस अवसर पर हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, प्रो. कैलाश देवी सिंह, प्रो. प्रेमसुमन शर्मा, प्रो. प्रेमशंकर तिवारी, प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह के साथ विभागीय शिक्षकों के अतिरिक्त विभिन्न जनपदों के हिंदी शिक्षक एवं हिंदी विषय के शोधार्थी उपस्थित रहे।

लविवि | नृत्य, संगीत, नाटक से लेकर वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने लिया हिस्सा

नव संवत्सर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देतीं छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में नव संवत्सर व चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अर्धनारीश्वर पर नृत्य व अहिल्याबाई होल्कर नाटक रहे। जिसे ऐतिहासिक गहराई और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए सराहा गया। मां दुर्गा को समर्पित नृत्य प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें शास्त्रीय और समकालीन दोनों शैलियां शामिल थीं। अंजलि द्विवेदी, अनन्या सिंह और वंशिका श्रीवास्तव, सुहानी, रुक्मिणी निषाद, स्नेहा साहू और आकृति तिवारी समकालीन दुर्गा गीतों का मिश्रण पर नृत्य प्रस्तुत वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।

शैक्षणिक सत्र में ओमिशा द्विवेदी ने शक्ति का स्पेक्ट्रम अमृत कौर ने व्याख्यान दिया। आयुषी द्विवेदी ने भारतीय परंपरा में महिलाओं के दार्शनिक योगदान पर चर्चा की, जबकि देवेश पांडेय ने शक्ति, प्रकृति और औपनिवेशिक भारत में महिला मताधिकार पर अपने विचार रखे। इसके अलावा, अनुभव, वैश्नवी, अक्षरा और प्रज्ञा ने दिव्य शक्ति, शाक्त परंपरा में संगीत और महिला केंद्रित कानूनों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक सत्र में शानदार तबला वादन और बांसुरी वादन प्रस्तुति दी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए आर्यन कुशवाहा और अतुलित पांडे, कविता के लिए अर्पणा मिश्रा और मोनो एक्टिंग के लिए शशिकांत को माननीय कुलपति महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रो. आंचल श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी वक्ताओं, कलाकारों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

मां दुर्गा को समर्पित नृत्य और अहिल्याबाई नाटक संग छात्रों ने नव संवत्सर मनाया

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी के तत्वावधान में एपी सेन सभागार में नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इसका संचालन इला, निष्ठा ओझा और अभिन्न श्याम तिवारी ने किया। कार्यक्रम ने बौद्धिक विमर्श और कलात्मक प्रस्तुतियों को एक मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति ने किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अर्धनारीश्वर पर नृत्य व अहिल्याबाई होल्कर नाटक रहे, जिसे इसके ऐतिहासिक गहराई और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए सराहा गया। साथ ही मां दुर्गा को समर्पित नृत्य प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गयी, जिसमें शास्त्रीय और समकालीन दोनों शैलियां शामिल थीं। शैक्षणिक सत्र में कई विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

ओमिशा द्विवेदी ने शक्ति का स्पेक्ट्रमः अमृत कौर ने कैसे राष्ट्र का निर्माण किया, फिर भी विस्मृत हो गईं विषय पर व्याख्यान दिया। अन्य प्रस्तुतकताओं में आयुषी द्विवेदी ने भारतीय परंपरा में महिलाओं के दार्शनिक योगदान पर चर्चा की, जबकि देवेश पांडेय ने शक्ति, प्रकृति और औपनिवेशिक भारत में महिला मताधिकार पर अपने विचार रखे। इसके अलावा, अनुभव, वैश्नवी, अक्षरा और प्रज्ञा ने दिव्य शक्ति, शाक्त परंपरा में संगीत और महिला केंद्रित कानूनों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक सत्र में शानदार तबला वादन और बांसुरी वादन प्रस्तुत किया गया।

TOI PAGE 2

LU prof selected for Unesco prog

Lucknow: Faculty in Lucknow University's education department, Prof Kiran Lata Dangwal, has been selected for Unesco's Open Education for a Better World programme, which recognises educators committed to advancing open learning and digital education. "Through 'Digital Intelligence for a Sustainable Future,' we aim to equip learners with the skills needed to navigate the evolving digital landscape responsibly. This initiative will foster inclusive education and innovation on a global scale, said Dangwal. TNN